Roll No. ..... Total Pages : 3

11427

LMDQ/M-24

पाश्चात्य साहित्यशास्त्र

Paper : MAH-401

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 80

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. सभी प्रश्नों के उत्तर आलोचनात्मक ढंग से दीजिए।

(क) 'प्लेटो का मानना है कि परम सत्य से तीन गुना दूर होने के कारण कला मिथ्या या झूठ है।' आप इससे कितने सहमत या असहमत हैं? तर्क सहित उत्तर दीजिए।

अथवा

पाश्चात्य काव्य चिंतन में उदात्त के महत्व पर प्रकाश डालिए।

(ख) आई. ए. रिचर्ड्स के मूल्य सिद्धांत को स्पष्ट करते हुए उसकी उपादेयता पर विचार कीजिए।

अथवा

कॉलरिज की कल्पना संबंधी अवधारणा और उसके विविध आयामों का विवेचन कीजिए।

(ग) 'स्वच्छन्दवाद की विद्रोहात्मक प्रकृति ने काव्य को कृत्रिमता के बंधन से मुक्त किया है।' इसकी व्याख्यात्मक चर्चा करते हुए स्पष्ट कीजिए।

अथवा

मार्क्सवादीय चिन्तन क्या है? इस सिद्धांत का प्रयोग साहित्य की समीक्षा में किस सीमा तक किया जा सकता है? स्पष्ट कीजिए।

(घ) विखंडनवाद की प्रक्रिया के व्यावहारिक पक्ष का उल्लेख कीजिए।

अथवा

स्त्रीवाद से आप क्या समझते हैं? स्त्री विमर्श के पाश्चात्य सन्दर्भ में किन बातों पर जोर दिया गया है? (12×4=48)

2. किन्हीं **चार** पर टिप्पणी कीजिए। (लगभग 250 शब्दों में)

(क) एलडर के व्यष्टि मनोविज्ञान की मूल स्थापनाएँ।

(ख) वड्र्सवर्थ की काव्य भाषा।

(ग) टी. एस. इलिएट के काव्य सिद्धांत।

(घ) यथार्थवाद की अवधारणा।

(ङ) जॉन ड्राइडन का चिंतन।

(च) संरचनावाद के प्रमुख प्रणेता।

(छ) उत्तर आधुनिकतावाद की सीमाएँ। (6×4=24)

3. सभी वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) प्लेटो के अनुसार ट्रैजिडी के लिए उपयुक्त मनोभाव क्या हैं?

(ख) 'काव्य रचना की जगह ऊन कातना अधिक उपयोगी है।' कथन किसका है?

(ग) अरस्तू के अनुसार, जो कवि क्षुद्र एवं विनोदी होते हैं, वे क्या रचते हैं?

(घ) कवि व्यक्तित्व के आधार पर अरस्तू के अनुसार काव्य कितने प्रकार का होता है?

(च) लिरिकल वैलड्स की भूमिका किस नाम से वड्र्सवर्थ ने लिखी?

(छ) इलियट ने निर्वैयक्तिकता के कितने रूप स्वीकार किए हैं?

(ज) स्वच्छन्दता विरोधी आलोचना के आरम्भकर्ता कौन माने जाते हैं?

(झ) रोमांटिसिज्म शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग किस विद्वान ने किया?

(8×1=8)